IIM के नए कैंपस में दीक्षांत आज ट्राई के चेयरमैन डॉ. शर्मा होंगे चीफ गेस्ट, 233 स्टूडेंट्स को मिलेगी डिग्री

स्टूडेंट्स ने नॉर्मल ड्रेसअप में की दीक्षांत की रिहर्सल, आज आठ रिसर्चर्स को मिलेगी पीएचडी

सिटी रिपोर्टर | रायपुर

आईआईएम का आठवां दीक्षांत समारोह आज गुरुवार को नया रायपुर स्थित कैंपस में होगा। पहली बार नए कैंपस में संस्थान का दीक्षांत समारोह आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले बुधवार को स्टूडेंट्स ने दीक्षांत की रिहर्सल की। नॉर्मल ड्रेसअप में स्टूडेंट्स को फैकल्टी मेंबर्स ने स्टेज पर जाने और गेस्ट से डिग्री लेने के बारे में समझाइश दी। समारोह में 2016-18 बैच के 54 और 2017-19 बैच के 179 स्टूडेंट्स यानी कुल 233 स्टूडेंट्स को डिग्रियां बांटी जाएंगी। 8 रिसर्चर्स को पीएचडी की उपाधि दी जाएगी। समारोह की शुरुआत वैदिक मंत्रों के साथ होगी। डॉ. भारत भास्कर ने बताया कि समारोह में बतौर चीफ गेस्ट टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) के चेयरमैन डॉ. आरएस शर्मा मौजूद रहेंगे। उनके साथ बोर्ड ऑफ गवर्नेंस की प्रेसीडेंट श्यामला गोपीनाथ, बोर्ड मेंबर्स और फैकल्टीज शामिल होंगे। ये पहला मौका होगा जब स्टूडेंट्स को आईआईएम बिल के कारण डिप्लोमा के बजाय डिग्री दी जाएगी।

रिसर्च में बताया किस टाइम फ्रेम में इन्वेस्ट करना बेहतर: सुमन गुप्ता ने फाइनेंस पर रिसर्च की है। उन्होंने बताया- लोग अक्सर ओवर कॉन्फिडेंस या बहकावे में आकर इन्वेस्टमेंट करते हैं। मैंने इन्हीं पॉइंट्स के आधार पर इन्वेस्टिगेशन किया है। रिसर्च में ये पता किया कि किस टाइम फ्रेम में इन्वेस्टमेंट करना चाहिए। क्योंकि ये सबको पता है कि शॉर्ट टर्म के बजाय लॉन्ग टर्म में इन्वेस्टमेंट बेहतर होता है। लेकिन अगर आप 124 दिनों से ज्यादा दिनों तक का भी इन्वेस्टमेंट करते हैं तो आपको मार्केट से प्रॉफिट मिलेगा।

हैदराबाद के विवेक ने डिजाइन किया है आईआईएम का लोगो

आईआईएम का लोगो डिजाइन करने वाले हैदराबाद के विवेक मंडापल्ली ने बताया- इस लोगो में छत्तीसगढ़ के कल्चर और मैनेजमेंट की झलक दिखाई देती है। दिसंबर 2017 में इसे डिजाइन करने की शुरुआत की, जो फरवरी 2018 में बनकर तैयार हुआ। मार्च में इसे ऑफिशियली अप्रूवल मिला। लोगो के चारों तरफ रिंग है, जो सूर्य के प्रतीक को दर्शाता है। ये चक्र बस्तर क्षेत्र में काफी प्रचलित है। इसे डार्क और पिंक कलर से बने कॉम्बिनेशन यानी बरगंडी कलर दिया है जो इंस्टीट्यूट की स्ट्रेंथ को शो करता है। सेंटर में फ्लॉवर का डिजाइन है, जो इंस्टीट्यूट की ग्रोथ और उसके नीचे बनी जड़ कैंपस के मैनेजमेंट को दिखाती है। जड़ के नीचे श्रीमद्भगवत गीता का श्लोक लिखा है, जिसका अर्थ है- जो भी काम आप जीवन में सही मैनेजमेंट से करते हैं, रिजल्ट उतना बेहतर आता है।